ज्ञानोदय प्रभा

अंक- जून-जुलाई २०२२

संपादकीय

"विजयी भव"

प्रिय विद्यार्थियों

नयी उमंग और उत्साह के साथ नए सत्र का आरंभ हो चुका है| नए सपने बुनने और उसे पूरा करने के लिए आपने संकल्प ले लिए होंगे| अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रास्ते बना लिए होंगे| अब इन रास्तों पर अनवरत चलने का समय आ गया है |अपने संकल्प, अपने सपनों को पूरा करने का समय आ गया है| यदि अब तक आपने कोई योजना नहीं बनाई है तो शीघ्र ही बना डालिए | लक्ष्य निर्धारित करिए और उसे भेदने के लिए सीना तान कर निकल पड़िए| संकल्प से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है , इसमें संदेह नहीं है|

मार्ग में अनेक बाधाएँ आएंगी ,मन विचलित होगा, किन्तु घबराना नहीं है| धैर्य और साहस से हर मुश्किल का सामना करना है |जब मन विचलित होने लगे, घबराने लगे और तुम्हे कमज़ोर करने लगे तो उस संकल्प को याद करना जिसे पूरा करने की तुमने कसम खाई थी और फिर एक नए जोश से उसे पूरा करने के लिए जुट जाना| बाधाओं के बादलों की उम्र ज्यादा नहीं होती, ये क्षणिक होते हैं|अंततः धैर्य की ही विजय होती है|

केवल संकल्प लेना ही पर्याप्त नहीं होता उसे पाने तक एक क्षण भी रुकना नहीं है |अन्यथा संकल्पों को दूध के उफान की तरह कुछ ही समय में धराशाई होने में देर नहीं लगती| इसलिए संकल्पवान बनिए, धैर्यवान बनिए और उसे पूरा करने में जी जान लगा दीजिए |यदि ऐसा कर सके तो जल्दी ही आप देखेंगे कि आपने उन लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है जिसे पूरा करने के आपने सपने देखे थे| ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जो पूरा न किया जा सके ,ऐसा कोई सपना नहीं जो साकार न हो सके बस जरूरत है -आपके हौसलों को पंख लगने की| महापुरुषों ने बड़े -बड़े काम अपनी संकल्प शक्ति के सहारे ही किए हैं|

जीवन में बहुत कुछ करने को है |जीवन केवल खाने पीने और मरने का नाम नहीं है| कुछ ऐसा करो कि यह दुनिया, यह देश ,यह समाज आपको आपके कार्यों के लिए याद करे |इस देश ,इस समाज ,माता पिता और गुरुजनों का बहुत ऋण है हम पर| हमें इसे चुकाना है -एक योग्य नागरिक बनकर |इसकी शुरूआत अभी से करना है |छोटे -छोटे लक्ष्य बनाएँ और उसे हासिल करें ,इससे आत्मविश्वास बढ़ेगा ,लक्ष्य को प्राप्त करने की ख़ुशी होगी|

प्रिय विद्यार्थियों संकल्प लीजिए कि आप जिस कक्षा में भी हैं ,उसमें सर्वोच्च अंक प्राप्त करेंगे |अपनी कमियों को दूर करेंगे| बुराइयों को छोड़ेंगे और श्रेष्ठ गुणों को धारण करेंगे|

यह तो बस एक शुरूआत है| जीवन में बहुत कुछ करना शेष है |आप देश के भविष्य हैं| ज्ञानोदय परिवार को ,माता पिता को ,समाज को आप पर गर्व करने का अवसर दीजिए|

विजयी भव |

संपादक

सवेरा

सुन्दर ,स्वर्ग जैसा सवेरा|
चिड़ियों की मधुर स्वर है सवेरा|
नई किरण से भरपूर सवेरा|
उठो अब आलस्य न करो
मात -पिता को प्रणाम करो
महसूस करो इस गीली ओस को
और उसमें घुलतीं स्वर्णिम किरणों को
जैसे कोई सोने की परत लाया
नई किरणों से भरा सवेरा
सुन्दर ,स्वर्ग जैसा सवेरा |

- महिमा कुशवाहा १० स

माता पिता

माता पिता पतवार हैं,
जो हमें बचाते धार से|
जान से ज्यादा प्यार,
करते हैं अपनों से|
सह सकते हैं अपमान
अपनों के लिए
दे सकते हैं बलिदान
बच्चों के लिए|

-मानसी चौरसिया कक्षा ६ स

होस्टल यात्रा

सातवीं में आया स्कूल
इसे बनाया स्विमिंग पूल
जितेन्द्र सर से सीखा
कैसे ज़िन्दगी को जीना
प्रिंसिपल सर से सीखा
हक़ के लिए लड़ना
मैं तो लड़ने लगा था,
मैं तो बढ़ने लगा
माता – पिता ने भेजा
उम्मीदों के साथ
उम्मीदों के साथ
बेटा कर रहा था बात
होस्टल में लगता – अलोन
जब तक माँगते नहीं – फोन
पर मैं तो हँसने लगा था|
फिर वारडन मुझ पर चिल्लाते
फिर वो मुझे खिलाते|

-आदीश जैन कक्षा १० स

किस्मत

किस्मत का ऐसा दौर चला,
मैं कैसे भूल सकूंगा भला|
आसमां को आँखों में समेट,
आज वहीं हूँ खड़ा|
वक्त के भी हालात बदले,
मैं उससे जीतकर, आगे उसके चला|
किस्मत का ऐसा दौर चला,
मैं कैसे भूल सकूँगा भला|
ज़िन्दगी की बाधाओं को देख,
डरकर खामोश रहा|
मन में जीत का ऐसा जोश चढ़ा,
हर मुश्किल पार कर ,आज शिखर पर हूँ खड़ा
हारकर बैठने का वो दौर ढला|
किस्मत का ऐसा दौर चला,
मैं कैसे भूल सकूंगा भला|

-ओम गौर कक्षा ९ स

पहेलियाँ

१. काला मुँह है लाल शरीर
कागज़ को वह खाता
रोज शाम को पेट फाड़कर
कोई उन्हें ले जाता
२. अपनों के ही घर ये जाय
तीन अक्षर का नाम बताय
पहले दो अति हो जाए
अंतिम दो से तिथि बताए

आरुष गौर कक्षा ६ स

{ उत्तर १. लैटर बोक्स २. अतिथि }

पृथ्वी

पृथ्वी को है रहता,
सारे संसार का ज्ञान
सब लोगों की है कामना,
पृथ्वी बने महान
पृथ्वी तो है हम सबकी माता
सदा करो इसका आदर,
कभी न करना अपमान
पृथ्वी की सुंदरता कितनी
कोई नहीं समझ पाता
पृथ्वी है हम सब की माता
कितने हैं अनुदान
कभी न करना अपमान

कृतिका यादव ६ ब

लालच

[लोक कथाओं से]

एक बार की बात है | एक सुनार था | जो बहुत लालची था | उसे किसी काम से दूसरे गाँव जाना था | वहीं रास्ते में एक जंगल पड़ता था | जहाँ पर एक बूढ़ा शेर रहता था | दूसरे दिन सुनार गाँव की तरफ चल पड़ा | चलते - चलते वह जंगल तक पहुँच गया | उसके मन में थोड़ा डर भी था | आगे बढ़ते हुए कुछ ही दूरी पर उसे शेर बैठा मिला | सुनार डर की बजह से पेड़ पर चढ़ गया | उस शेर ने सुनार को देख कर कहा – "तुम मुझसे डरो मत , मैं अब बूढ़ा हो गया हूँ | मैं तुम्हारा शिकार नहीं कर सकता |" तभी सुनार की नज़र शेर के पास पड़े सोने के कंगन पर पड़ी | उसने शेर से पूछा – "क्या यह तुम्हारा कंगन है ?" शेर ने उससे कहा –" हाँ यह मेरा कंगन है ,चाहो तो तुम इसे लेलो | यह मेरे किसी काम का नहीं है |" जैसे ही सुनार कंगन लेने शेर के पास पहुँचा ,तभी शेर ने सुनार पर हमला कर दिया और उसे खा लिया | इस कहानी से हमे यह सीख मिलती है कि हमें कभी लालच में नहीं आना चाहिए और हमें कभी किसी अजनबी पर भरोसा नहीं करना चाहिए |

-बीनू ठाकुर कक्षा ६ स

स्वैच्छिकअनुदान

विगत दिनों खुरई शहर के प्रतिष्ठित समाजसेवी भूतपूर्व सैनिक कैप्टन पुरस्कार चौबे जी ने विद्यालय को आर्थिक सहयोग प्रदान किया ।उनकी इच्छानुसार यह दान राशि उन उपकरणों को खरीदने में उपयोग की जाएगी जो सैन्य प्रशिक्षण की दृष्टि से उपयोगी हों ।इस प्रशिक्षण के फलस्वरूप विद्यालय के विद्यार्थी देश सेवा के लिए सेना में भर्ती हेतु तैयार हो सकेंगे।विद्यालय के चेयरमैन श्रीमंत सेठ धर्मेन्द्र जी ने उनका आभार जताते हुए उन्हें प्रतीक चिह्न एवं शॉल श्रीफल देकर सम्मानित किया।

हिंदी संयुक्त राष्ट्र की भाषा बनी

हिन्दुस्तानी होने पर हम सब को गर्व है | इस देश में सर्वाधिक बोली जाने वाली राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित हिंदी का हम सब सम्मान करते हैं | हिंदी निरंतर अपने पथ पर अग्रसर होते हुए विश्वव्यापी बन गई है और अंतर्राष्ट्रीय फलक पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही है | इसी क्रम में अभी हाल ही में जून २०२२ में संयुक्त राष्ट्र महा सभा ने हिंदी भाषा से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दी है | इस प्रस्ताव में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र के सभी काम काज और जरूरी सूचनाएँ आधिकारिक भाषाओं के अलावा हिंदी में भी जारी किए जाएंगे| | संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने कहा – "संयुक्त राष्ट्र में बहुभाषावाद प्रस्ताव पारित हुआ | इसमें पहली बार हिंदी का जिक्र है |" उन्होंने इसी क्रम में आगे बताया कि २०१८ में संयुक्त राष्ट्र में हिंदी परियोजना शुरू की गई थी जिसका उद्देश्य हिंदी भाषा में संयुक्त राष्ट्र की लोगों तक पहुँच को बढ़ाना तथा दुनिया भर में लाखों हिंदीभाषियों के बीच वैश्विक विषयों के बारे में जागरूकता फैलाना है | हम सभी भारतवासियों को हिंदी के संयुक्त राष्ट्र की भाषा बनने पर प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है और हिन्दुस्तानी होने के नाते यह हमारे लिए गौरवपूर्ण क्षण है |

[स्रोत – नवभारत टाइम्स १२ जून २०२२]

-ऋषिका श्रीवास्तव कक्षा १० स

जून माह की गतिविधियाँ

ज्ञानोदय विद्यालय में १ जून से शिक्षकों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ किए गए| जून माह ज्ञानोदय परिवार के लिए अत्यंत व्यस्तम माह रहा । विद्यालय के प्राचार्य श्री अभिनव शुक्ला ने योजनानुसार शिक्षकों को विभिन्न कार्यशालाओं द्वारा प्रशिक्षण दिलाया और उन्हें अद्यतन सूचनाओं से अवगत कराया।प्राचार्य जी स्वयं भी शिक्षकों के साथ लगातार उपस्थित रहे और उनका मार्गदर्शन करते रहे ।इन मैराथन कार्यशालाओं में कुल 84 घंटों का समय लगा।सत्र की सफल शुरूआत के लिए यह आवश्यक भी था।सभी शिक्षकों ने इन कार्यशालाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस दौरान किसी भी शिक्षक ने एक भी अवकाश नहीं लिया।

प्रश्न पत्र निर्माण प्रशिक्षण

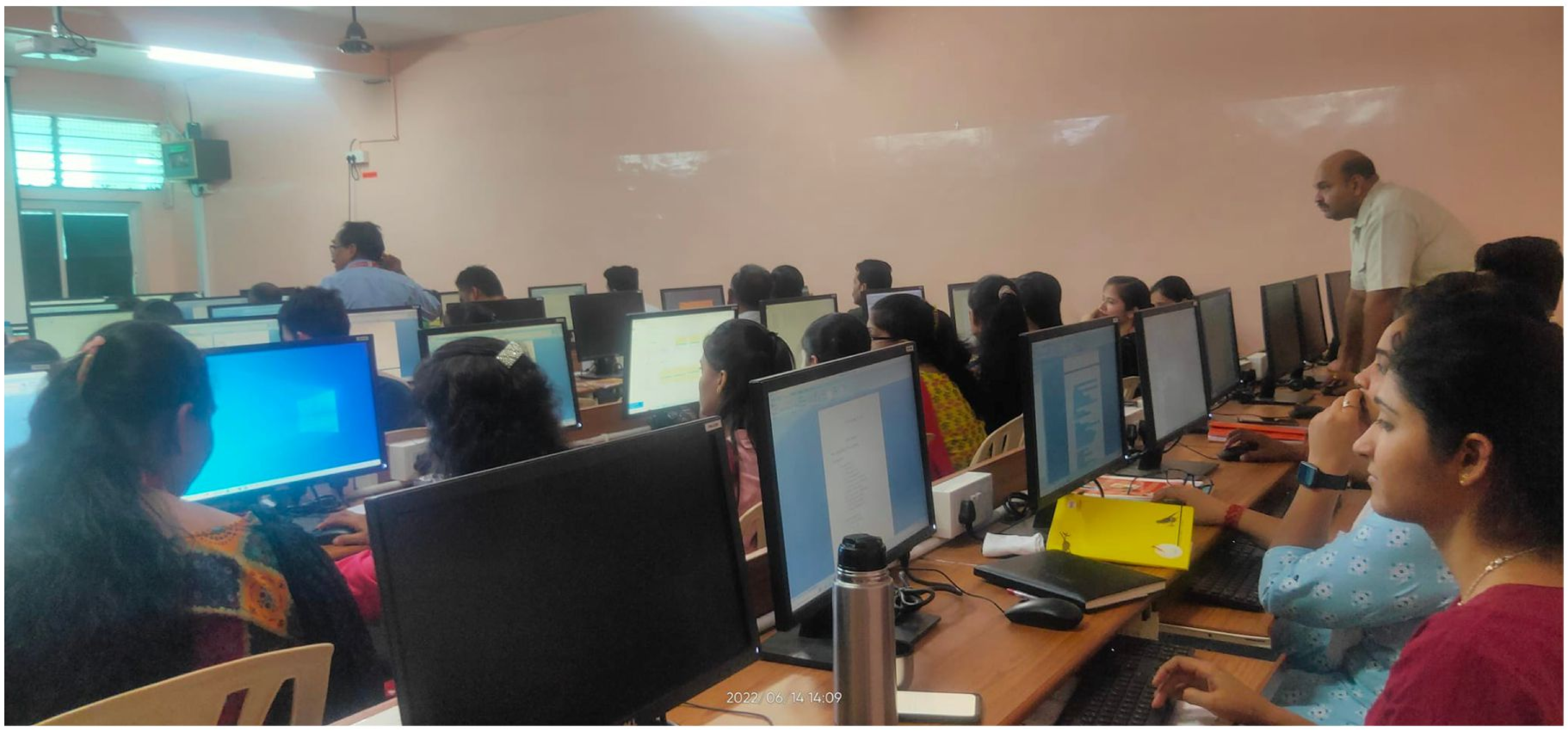

१ जून से १५ जून तक टी सी एस आई ओ एन द्वारा विभिन्न विषयों के पेपर निर्माण विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया| इसमें एक अच्छे पेपर निर्माण के लिए आवश्यक पहलुओं को समझाया गया| सभी शिक्षकों ने सफलतापूर्वक यह प्रशिक्षण पूरा किया और विद्यालय के श्रीमंत धर्मेन्द्र सेठ जी के कर कमलों से प्रमाणपत्र प्राप्त किए|

सह शिक्षण गतिविधि

जून माह के प्रथम सप्ताह में ही सह शिक्षण गतिविधि आरम्भ की गई|यह विद्यालय के लिए एक नई अवधारणा थी| इसके माध्यम से विद्यालय के शिक्षकों ने अपने शैक्षणिक कौशल को तराशा| इसी क्रम में विद्यालय के प्राचार्य अभिनव शुक्ला जी के प्रयासों के तहत सभी नियोजित कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने और वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए सूक्ष्म प्रबंधन कौशल सिखाया गया|

कंप्यूटर साक्षरता

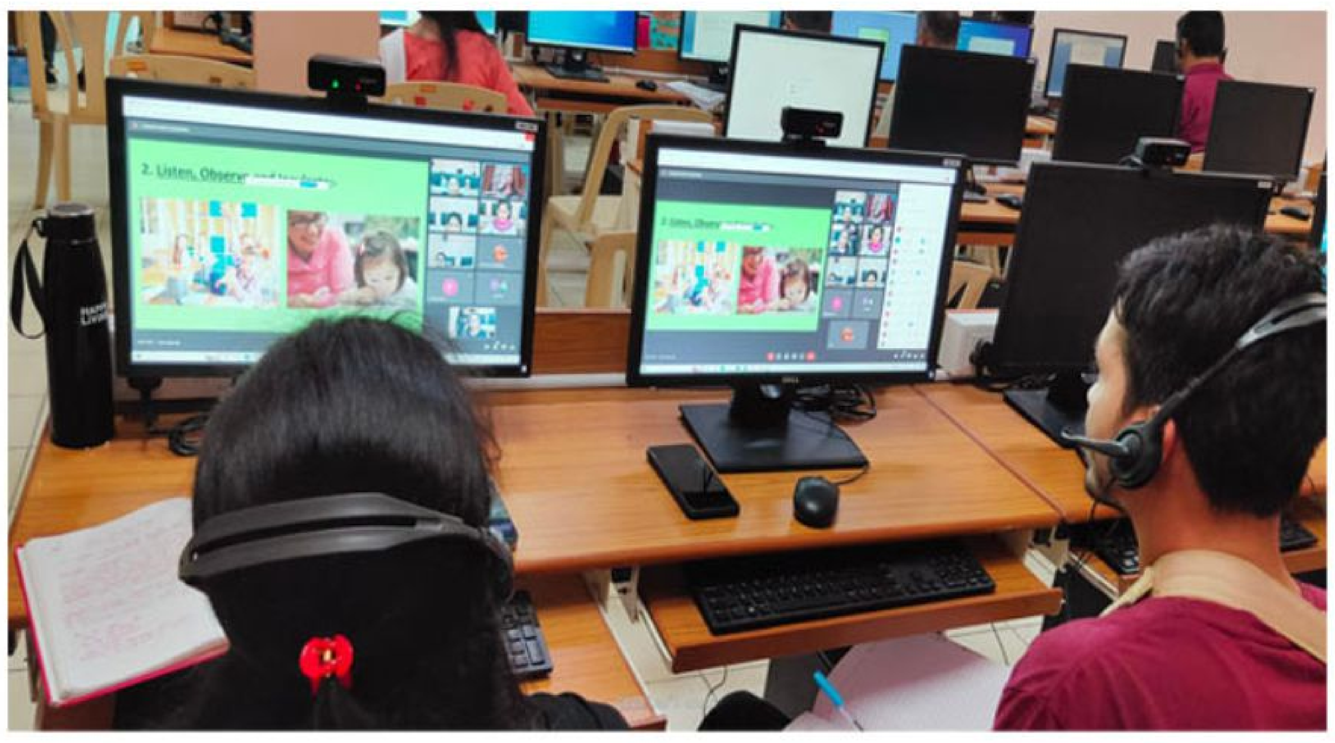

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और वर्तमान शिक्षा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ६ जून से ८ जून तक एम एस ऑफिस प्रशिक्षण ई मेल लेखन पावर पॉइंट एक्सल आदि का प्रशिक्षण दिया गया इसमें आई.सी.टी. डिपार्टमेंट ने अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया | इस दौरान रिसोर्स पर्सन के रूप में सुश्री शिवानी और विभाग प्रमुख शिक्षक राहुल अग्रवाल उपस्थित रहे |

राष्ट्रीय शिक्षानीति २०२२ पर प्राचार्य जी का उद्बोधन

१६ जून २०२२ को राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ अभिनव शुक्ल द्वारा महत्त्वपूर्ण बिंदुओ पर प्रकाश डाला गया | शैक्षिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण इस शिक्षा नीति को कैसे शिक्षण में लागू किया जाए इस पर विस्तृत चर्चा की गई | इससे पूर्व विद्यालय के शिक्षकों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अपना प्रदर्शन दिया और प्रभावी ढंग से अपनी बात रखी | विद्यालय के प्राचार्य जी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को विद्यालय में पूर्णरूपेण लागू करने के लिए शिक्षकों को प्रेरित और प्रशिक्षित किया |

शारीरिक दंड पर कार्यशाला

विगत वर्षों में शिक्षण कार्य करते समय जिस तरह के शारीरिक दंड दिए जाते थे ,वे अब प्रतिबंधित हैं |इस तरह के दंड अब न दिए जाएँ इसके लिए सरकार ने कुछ नियमों की व्यवस्था की है | उन्हीं नियमों की जानकारी के लिए विद्यालय के प्राचार्य ने जून १७ को विद्यालय में शारीरिक दंड विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया |इस कार्यशाला में सभी शिक्षक उपस्थित रहे | प्राचार्य जी ने इस विषय से सम्बंधित नियमों पर व्यापक रूप से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को मित्रतापूर्वक पढ़ाने,उन्हें समझने पर जोर दिया |अंततः यह कहा जा सकता है कि जून माह प्रशिक्षण की दृष्टि से , सर्वांगीण पेशेवर विकास , कार्य योजना की दृष्टि से व्यस्ततम माह रहा | इसमें लगभग ८४ घंटे से अधिक समय लगा | एक सफल शैक्षणिक सत्र के लिए यह अपरिहार्य भी था और समीचीन भी |

योग प्रतियोगिता

ज्ञानोदय विद्यालय के छात्र अर्पित गौतम कक्षा ८ द, रिद्धम जैन कक्षा ८ स, माही जैन कक्षा ८ स, अनमोल जैन कक्षा ८ ब, दर्शन जैन कक्षा ५ अ, आदी जैन कक्षा ७ अ, ईशान जैन कक्षा ६ ने जयपुर में होने वाली योग प्रतियोगिता में भाग लिया | यह प्रतियोगिता २३ से २४ जुलाई तक थी | शिक्षक श्री कपिलेश नाजवाले भी छात्रों के साथ जयपुर गए थे |

ऑनलाइन कार्यशालाएँ

अकाउंट विषय

१ जून को अकाउंट विषय की कार्यशाला हुई |जिसमें कक्षा ९ से १२ में शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षकों ने भाग लिया | यह कार्यशाला श्रीमान राकेश मोलासी उपप्राचार्य ,बिरला विद्या मंदिर ,नैनीताल द्वारा आयोजित की गई |

गणित विषय

१० जून को गणित विषय की ऑनलाइन कार्यशाला हुई जिसमें गणित की कक्षाओं में शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षकों ने भाग लिया | इस कार्यशाला को टी.जी.टी. ,बिरला पब्लिक स्कूल ,पिलानी की सुश्री नरोत्तमा शर्मा के द्वारा संबोधित किया गया |इस कार्यशाला का उद्देश्य 'गणित को रुचिपूर्ण तरीके से पढ़ाना ,गणित शिक्षण में करके सीखना ,विद्यार्थियों को उनकी क्षमता के अनुसार कार्य सौंपना विषय पर चर्चा करना था |इस कार्यक्रम की प्रभारी सुश्री पूजा जैन थी |

शारीरिक शिक्षा

१० जून को ही शारीरिक शिक्षा विषय पर एक ऑनलाइन कार्यशाला हुई जिसमें कक्षा ११ तथा १२ के शिक्षकों ने भाग लिया | 'बच्चे के व्यक्तित्व विकास में शारीरिक शिक्षा की भूमिका ' विषय पर यह कार्यशाला राखी गई थी | इस कार्यशाला में श्रीमान विजय सिंह राठौर पी.जी.टी. ,बिरला पब्लिक स्कूल पिलानी ने अपने अनुभवों को साँझा करते हुए कुछ महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं जैसे – बाल मनोविज्ञान ,किशोरावस्था से संबंधित समस्याओं के बारे में बात करना ,छात्रों की बातें सुनना और उनकी समस्यायों का समाधान करना ,छात्रों के बीच विश्वास बनाना ,एक दोस्त की तरह छात्रों को सही तौर तरीके बताना |आदि पर विस्तार रूप से चर्चा की|इस कार्यशाला में शारीरिक शिक्षा विभाग के श्री अमित यादव,श्री त्रिलोक सिंह,श्री संदीप अग्रवाल आदि ने भाग लिया |

सामाजिक विज्ञान

११ जून को सामाजिक विज्ञान विषय की कार्यशाला हुई |जिसमें कक्षा ६ से १० में शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षकों ने अपनी भागीदारी निभाई |जिसका विषय था- कला एकीकरण के माध्यम से सामाजिक विज्ञान का शिक्षण | इस कार्यशाला को श्रीमती अर्चना कौशिक पी.जी.टी. बिरला पब्लिक स्कूल पिलानी ने आयोजित किया था |

विज्ञान

११ जून को ही विज्ञान विषय पर कार्यशाला हुई |जिसमें कक्षा ८ से १० वीं के शिक्षकों ने भाग लिया | इस कार्यशाला का विषय –'एकाधिक बुद्धिमानी के माध्यम से विज्ञान विषय का शिक्षण कार्य ' था | इस कार्य शाला को श्रीमती प्रियंका तोमर ने संबोधित किया |

भौतिक विज्ञान

१३ जून को भौतिक विज्ञान विषय की कार्यशाला का आयोजन हुआ | यह कार्यशाला कक्षा ९ से १२ वीं के शिक्षकों के लिए थी |भौतिकी में क्षमता बढ़ाना इस कार्यशाला का उद्देश्य था |श्रीमान कपिल मरहेट्टा, पी.जी.टी. विद्या जिंदल स्कूल (VDJS), हिसार ने ज्ञानोदय के भौतिकी विभाग के शिक्षकों के साथ अपने विचार सांझा किए |

कला समेकित शिक्षा कार्यशाला

जून माह में एक अन्य सामाजिक विज्ञान कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसका विषय - सामाजिक विज्ञान में कला समेकित शिक्षा था | इस कार्यशाला को श्रीमती अर्चना कौशिक पी.जी.टी ., बिरला पब्लिक स्कूल पिलानी ने संबोधित किया |इस कार्यशाला में सामाजिक विज्ञान में कला समेकित शिक्षा क्या है ? कलाएँ शैक्षणिक कैसे बन सकती हैं ? और प्रत्येक बच्चे के सीखने और समग्र विकास पर इनके प्रभाव को समझना ,कला शिक्षा और कला समेकित शिक्षा में क्या अंतर है ? सीखने की प्रक्रिया को समग्र और अनुभवात्मक बनाने में कला की क्या भूमिका है ? कला समेकित शिक्षण को सीखने का आनंददायक तरीका क्यों माना जाता है ? एक विषय के रूप में कला और एक शैक्षणिक दृष्टिकोण के रूप में कला में अंतर कर पाने में , यह समझा पाने में कि कला समेकित शिक्षा छात्रों में समग्रता से सीखने को कैसे बढ़ावा दे सकती है और विभिन्न विषयों में योजना तैयार करने आदि बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया |कार्यशाला में सामाजिक विज्ञान विभाग के समस्त शिक्षकों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया |

नन्हें विद्यार्थियों द्वारा मंदिर दर्शन के मनमोहक दृश्य

माप गतिविधि

२३ जून को माप गतिविधि का आयोजन हुआ | इस गतिविधि में पाँचवीं तक के १४ प्रतिभागियों ने भाग लिया | इस गतिविधि का उद्देश्य छात्रों को हैंड स्पेन, फुट स्पेन, और क्यूबिट की जानकारी देना था| इस गतिविधि के द्वारा बच्चे पेड़ की लम्बाई, जिम उपकरण खेल के मैदान की सीमा, जिग जैग आदि को मापने के लिए गैर मानक इकाइयों को उपयोग करना सिखाया गया है| इस गतिविधि में क्रमशः सत्यम यादव कक्षा ५, नवांश सिंह कुशवाहा कक्षा ४ मृदुल केशरवानी कक्षा ३ अग्रिम कुशवाहा कक्षा २ नरेंद्र लोधी कक्षा १ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया |इस गतिविधि में निर्णायक मंडल की भूमिका में श्रीमती देबोलीना दे और सुश्री दिव्या पटेल थीं|

संख्या नृत्य

२४ जून को ज्ञानोदय विद्यालय के कक्षा ५ वीं तक की कक्षा के विद्यार्थियों का 'संख्या नृत्य' कार्यक्रम कराया गया | इस गतिविधि में नवाचार के माध्यम से छात्र छात्राओं को गणित सीखने में बहुत मदद मिली जैसे -मैदान में एक से दस तक गिनती के खाने के माध्यम खेल -खेल में विद्यार्थियों को जोड़ना घटाना सिखाया गया |कक्षा के बाहर खुले मैदान में आयोजित इस नवाचार को विद्यार्थियों द्वारा बहुत उत्साहपूर्वक सीखा गया | नयन सिघई इस गतिविधि की प्रभारी थीं|

अंग्रेजी भाषण

२५ जून २०२२ शनिवार को अंग्रेजी विभाग के तत्वाधान में अंग्रेजी भाषण की एक गतिविधि का आयोजन किया गया |अंग्रेजी शिक्षकों द्वारा छात्रों को उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार करने का प्रयास किया गया | यह गतिविधि कक्षा ६ से ८ वीं तक छात्रों के लिए आयोजित की गई थी | चयन प्रक्रिया के तहत प्रत्येक वर्ग के प्रत्येक खंड के लिए प्रारंभिक दौर आयोजित किए गए और अंतिम दौर के लिए सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों का चयन किया गया |अलग अलग कक्षाओं को अलग- अलग विषय दिए गए थे | कक्षा ६ .७ ,८ के लिए विषय क्रमशः – "पानी बचाओ ,जीवन बचाओ" , "प्लास्टिक मुक्त विश्व " ,प्रौद्योगिकी बनाम शिक्षा " थे |इस कार्यक्रम में कुल ११ प्रतिभागियों ने भाग लिया | इस कार्यक्रम का उद्देश्य सुनने, बोलने ,एंकरिंग और प्रबंध के कौशल विकसित करना था |कार्यक्रम के निर्णायक मंडल के रूप में श्री मती राहेल पर्ल कुमार , श्री आदित्य दुबे ,सुश्री राधिका सेंगर ने भूमिका निभाई |इस गतिविधि के प्रभारी श्री मान राकेश बहादूर थे |इस गतिविधि में प्रथम स्थान वेद श्रीवास्तव [८ ब] दूसरा स्थान सुश्री मान्या सिंह बिसेन [६ स] तथा तीसरा स्थान सक्षम सिंह चादर [८ स] ने प्राप्त किया |

जुलाई माह की मुख्य गतिविधियाँ

अंतरविभागीय प्रदर्शन : साइबर सुरक्षा

इस कार्यक्रम में कक्षा ९ से १२ वीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया | इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई एवं विद्यार्थियों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया | इस अवसर पर प्रोजेक्टर पर एक लघु फिल्म भी दिखाई गई| साथ ही साइबर सुरक्षा के नियमों को पालन करने की सलाह दी गई| इस कार्यक्रम के प्रभारी श्रीमान राहुल अग्रवाल एवं सुश्री शिवानी चौहान थीं|

लायन ऑवर

फिट्निस सप्ताह के तहत इस कार्यक्रम में बच्चों ने बहुत सारी गतिविधियों में भाग लिया जैसे- जुम्बा और नृत्य |इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को नए और रुचिपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से एक साथ कार्य करने की प्रेरणा देना था | शरीर को चोट लगने से बचाने के लिए एवं चुस्त दुरुस्त रखने के लिए समय समय पर ऐसी गतिविधियाँ होना आवश्यक है |इस कार्यक्रम की प्रभारी सुश्री चित्रा नज़वाले और सुश्री हुमा नाज़ थीं|

कार्यशाला . कराटे बेल्ट ग्रेडिंग २०२२

विद्यालय में कराटे बेल्ट ग्रेडिंग २०२२ विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसके इंचार्ज थे मिस्टर संदीप अग्रवाल | इस कार्यशाला में इंडियन कराटे टीम प्रमुख ,कोच , मध्य प्रदेश सरकार के विश्वामित्र पुरस्कार से सम्मानित श्रीमान शिहान जयदेव शर्मा उपस्थित थे | विद्यालय में इस तरह की कार्यशालाएँ समय समय पर होती रहती हैं| विद्यालय के विद्यार्थी इस तरह की कार्यशालाओं में बड़े उत्साह से भाग लेते हैं | विद्यालय के खेल प्रशिक्षक द्वारा सतत मार्गदर्शन से विद्यार्थी लाभान्वित होते रहते हैं |

अलंकरण समारोह २०२२

एक सच्चा लीडर वह नहीं ,जिसके सबसे ज्यादा अनुयायी हों बल्कि सच्चा लीडर वही है ,जिसमें नेतृत्व करने की क्षमता हो और जो लीडर पैदा कर सके |जिसमें अनुशासन एवं उत्तरदायित्व की भावना हो |इसी भावना को ध्यान में रखते हुए ज्ञानोदय विद्यालय केविनेट ने कुछ विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है | इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने पद के अनुरूप निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया |इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य जी एवं शिक्षकों ने उन्हें पदानुरूप बैज लगाकर अलंकृत किया |इससे पूर्व कार्यक्रम का आरम्भ विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती सना के परिचयात्मक उद्बोधन से हुआ | इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी पदाधिकारियों को बधाई दी एवं उनके पद के उत्तरदायित्वों की जानकारी देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया |

ऊतक संवर्धन

१२ जुलाई , मंगलवार को ऊतक संवर्धन गतिविधि का आयोजन किया गया | इस कार्यक्रम के लिए १६० विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया | इस गतिविधि में इतिहास ,तकनीक और शर्तें ,ऊतक संवर्धन के अनुप्रयोगों के बारे में दर्शाया गया और इस विषय पर एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया | इस कार्यक्रम के निर्णायक सौरभ उपाध्याय सर थे | देवम कक्षा ९ब, रितुल साहू ९ स , आदित्य सिंघई विजेता रहे |

लघु नाटिका

१२ जुलाई दिन मंगलवार को एक लघु नाटिका का आयोजन किया गया | पहले भाग में यह दर्शाया गया कि समुचित शिक्षा के लिए स्कूल के साथ –साथ परिवार के सदस्यों की भी जिम्मेदारी होती है , दूसरे भाग के माध्यम से सन्देश दिया गया कि जीवन चक्र के लिए हम एक दूसरे पर निर्भर हैं , तीसरे भाग में यह शिक्षा दी गई कि हमें घमंड नहीं करना चाहिए तथा चौथे दृश्य के माध्यम से शिक्षक और छात्रों के आत्मीय संबंध को दर्शाया गया |इस लघु नाटिका के निर्णायक की भूमिका श्री विपुल पचौरी और श्री कपिलेश नाज़वाले ने निभाई | इस कार्यक्रम के लिए ४० बच्चों को प्रशिक्षित किया गया जिनमे से अंतिम रूप से २४ बच्चों का चयन किया गया |इस कार्यक्रम की प्रभारी शिक्षिका आयुषी समैया थीं |

गुरुपूर्णिमा

ज्ञानोदय परिवार ने १३ जुलाई २०२२ को गुरुपूर्णिमा का कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया |इस कार्यक्रम में महर्षि वेदव्यास और प्रभु हनुमान के बारे में संक्षेप में प्रोजेक्टर द्वारा दर्शाया गया |शिक्षक और शिष्य के बारे में एक कहानी दिखाई गयी जो नैतिक शिक्षा पर आधारित थी |माता पिता के महत्त्व को बताते हुए दर्शाया गया कि माता पिता ही विद्यार्थियों के पहले गुरु हैं |इसलिए माता पिता शिक्षकों और अपने से बड़ों का सम्मान करना चाहिए | इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य जी ने भी गुरु पूर्णिमा के महत्त्व पर प्रकाश डाला |इस कार्यक्रम की प्रभारी थी -श्रीमती शोभा भारद्वाज एवं श्रीमान सोनू पटेल |इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नैतिक शिक्षा देना और गुरु पूर्णिमा के महत्त्व को बताना था |

हिंदी साक्षात्कार

१२ जुलाई दिन मंगलवार को हिंदी साक्षात्कार गतिविधि का आयोजन हुआ |इस गतिविधि में कक्षा २ और कक्षा ३ के विद्यार्थियों ने भाग लिया |इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों में बोलने की क्षमता का विकास करना था |इस गतिविधि का प्रशिक्षण ७ दिन तक चला |इस कार्यक्रम की प्रभारी शिक्षिका रूपल जैन थी|

अभिनंदन पत्र निर्माण गतिविधि

१४ जुलाई गुरुवार को अभिनंदन पत्र निर्माण गतिविधि कराई गई | इस गतिविधि की प्रभारी सुश्री निशि जैन थीं | इस गतिविधि के लिए तीन दिन प्रशिक्षण दिया गया |इस गतिविधि में कक्षा १ से ५ वीं के ४२ विद्यार्थियों ने भाग लिया |गतिविधि का उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता और आत्माभिव्यक्ति को बढ़ावा देना था |इस कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में श्रीमती देबोलिना एवं श्रीमती सील मैडम थीं|

चित्र वर्णन

१६ जुलाई को चित्र वर्णन गतिविधि की गई |इस गतिविधि में कक्षा ३ ,कक्षा ४ एवं कक्षा ५ के विद्यार्थियों ने भाग लिया |इस गति विधि के लिए ७ दिन प्रिशिक्षण दिया गया | इस गतिविधि में ३६ विद्यार्थियों ने भाग लिया | इस गति विधि का उद्देश्य – चित्र वर्णन के माध्यम से वस्तुओं को देखने व् परखने की क्षमता का विकास ,कल्पना शक्ति का विकास एवं अपने विचारों को एक सूत्र में पिरोकर लिखने की क्षमता के विकास को परखना था |इस कार्यक्रम में हर्षित दांगी कक्षा ३ ब ने प्रथम ,हंसिका अहिरवार कक्षा ३ ब ने द्वितीय , संस्कार बेदी कक्षा ३ अ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया | कक्षा ४ के प्रतिभागियों में शौर्य रघुवंशी वर्ग स ने प्रथम ,काव्या ठाकुर वर्ग अ ने द्वितीय , अभिषेक दांगी वर्ग ब ने तृतीय स्थान प्राप्त किया | इसी क्रम में कक्षा ५ से प्रियल चौधरी वर्ग ब ने प्रथम ,हर्षित जैन वर्ग अ ने द्वितीय एवं विशिष्ट ओझा वर्ग स ने तृतीय स्थान प्राप्त किया |इस कार्यक्रम में डॉ कीर्तिवर्धन श्रीवास्तव और मैडम आयुषी समैया ने निर्णायक की भूमिका निभाई |इस कार्यक्रम की प्रभारी शिक्षिका प्रियंका जैन थीं |

सचित्र गतिविधि

१५ जुलाई २०२२ , शुक्रवार को सचित्र गतिविधि का आयोजन किया गया |इस गतिविधि में कक्षा पाँचवी के तक के ४२ विद्यार्थियों ने भाग लिया |इस गतिविधि के लिए २० दिन का प्रशिक्षण दिया गया |इस गतिविधि के माध्यम से रचनात्मकता और बोलने के कौशल के माध्यम से छात्रों में व्यावहारिक और बौद्धिक विकास एवं अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास देखा गया |इस प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका क्रमशः श्री राकेश बहादुर और श्रीमती डेबोलीना ने निभाई |इस प्रतियोगिता में कक्षा १ से दृश्या जैन ,कक्षा २ से भारती जैन ,कक्षा ३ से नैतिक पाठक ,कक्षा ४ से कौस्तुभ कपलेश नजवाले और कक्षा ५ से अवनीत जैन ने अपनी -अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया |इस गतिविधि की प्रभारी श्रीमती कुसुम थीं |

रासायनिक उद्यान गतिविधि

जुलाई माह २०२२ को रासायनिक उद्यान गतिविधि का आयोजन किया गया | इस गतिविधि के लिए कक्षा ११ और १२ वीं के ९९ छात्रों को प्रशिक्षित किया गया और अंतिम रूप से २१ छात्रों का चयन हुआ |इस गतिविधि में गार्डन का अर्थ क्रिस्टल गार्डन बताते हुए समझाया गया कि सोडियम सिलिकेट में कोबाल्ट क्लोराइड मिलाकर यह बनाया जाता है |यह उद्यान पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति के बारे में एक विचार देता है कार्यशाला में रसायन विज्ञान की विभिन्न अवधारणाओं की व्याख्याओं को भी समझाया गया |कार्यक्रम प्रभारी शिक्षिका सुश्री पूनम पठानियाँ ने कार्यशाला के विषय से प्रतिभागियों को अवगत कराया|

रसायन विज्ञान में प्रभावी शिक्षण और सीखने की रणनीति

१६ जून २०२२ को "रसायन विज्ञान में प्रभावी शिक्षण और सीखने की रणनीति" विषय पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन हुआ |इस कार्यशाला में श्री मती मधु सिंह ने अपने महत्त्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए |इस कार्यशाला में रसायन विज्ञान में रूचि कैसे पैदा की जाय ? शिक्षण को प्रभावी और मनोरंजक कैसे बनाया जाए ? कक्षा को प्रभावी बनाने के लिए क्या रणनीतियाँ अपनाई जाएँ ,इन सब बिन्दुओं पर गहनता से विचार किया गया |इससे पहले कार्यक्रम प्रभारी शिक्षिका सुश्री पूनम पठानियाँ ने कार्यशाला के विषय से प्रतिभागियों को अवगत कराया|

कारगिल दिवस

विद्यालय में कारगिल दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया |इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने देश भक्ति गीत पर अपनी मनमोहक एवं हृदयस्पर्शी प्रस्तुति दी | इस कार्यक्रम में कक्षा ६ से १२ तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया |इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य जी ने कारगिल दिवस पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस दिन भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष १९९९ में कारगिल युद्ध हुआ था जो लगभग ६० दिनों तक चला और २६ जुलाई को इसका अंत हुआ | इस युद्ध में भारत विजयी हुआ |कारगिल विजय दिवस युद्ध में शहीद हुए जांबाज़ भारतीय सैनिकों के सम्मान में मनाया जाता है | उन्होंने पूर्व भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बोफोर्स तोपों की उल्लेखनीय भूमिका का भी जिक्र किया |यह भी बताया कि पाकिस्तानी सैनिक छल से हमारी सीमा में आ गए थे जसकी खबर एक गडरिये के माध्यम से मिली थी |इस समय पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटलबिहारी वाजपेयी की सरकार थी | वाजपेयी जी ने इससे पूर्व शांति स्थापित करने के उद्देश्य से कई प्रयास किए इसी क्रम में फरवरी १९९९ में लाहौर समझौता हुआ किन्तु पडौसी की नियत ठीक नहीं थी |उसने इन सब प्रयासों को नकारते हुए आपरेशन वद्र चलाया जिसमे उसे मूँ की खानी पड़ी |हमारे वीर सैनिकों ने उन्हें हरा कर एक बार फिर तिरंगा लहरा दिया |इस युद्ध में मातृभूमि की रक्षा करते हुए हमारे लगभग ५५० वीर सैनिक शहीद हुए और १४०० के लगभग घायल हुए |आज सारा भारत उन शहीदों को नमन करता है | ज्ञानोदय विद्यालय ऐसे वीर सैनिकों को श्रद्धापूरित श्रद्धा सुमन अर्पित करता है |कार्यक्रम की प्रभारी थीं -डॉ -अनुराधा बनर्जी|

इन्द्रिय ज्ञान गतिविधि

खेल को अक्सर मनोरंजन का साधन माना जाता है लेकिन वास्तव में बच्चों को खेल -खेल में बहुत कुछ सिखाया जा सकता है |इसी विचार को ध्यान में रखते हुए ज्ञानोदय के शिक्षकों द्वारा प्री प्राइमरी सेक्शन में " मैं अपनी इन्द्रियों को जानता हूँ इन्द्रिय ज्ञान गतिविधि को आयोजित किया गया | अपनी पाँच इन्द्रियों को जानने से बच्चों को अपने आस पास की दुनिया को बेहतर ढंग से जानने में मदद मिलती है | मस्ती से भरी ये गतिविधियाँ छात्रों को दृष्टि, श्रवण, स्पर्श, स्वाद और गंध की बेहतर समझ हासिल करने में मदद करती है | संवेदी खेल बच्चों को संज्ञानात्मक विकास ,समस्या समाधान ,सामाजिक और भाषा विकास में कुशल बनाने में मदद करता है | संवेदी खेल के माध्यम से बच्चे स्वतंत्र और रचनात्मक सोच विकसित करते हैं , जो उनकी कल्पना और संज्ञानात्मक क्षमताओं में वृद्धि करता है | श्रीमती मनप्रीत सलूजा और श्रीमती कविता शर्मा इस गतिविधि की प्रभारी थीं |

पाई सन्निकटन दिवस

२२ जुलाई को पाई सन्निकटन दिवस मनाया गया | इसमें कक्षा ९ वीं के लगभग ५० विद्यार्थियों ने भाग लिया | इस दिवस पर आयोजित गतिविधि का उद्देश्य छात्रों में पाई का प्रारंभिक ज्ञान देना तथा पाई के मान को प्रायोगिक विधि से ज्ञात करना सिखाया गया |इसमें छात्रों को विभिन्न वृत्तीय वस्तुओं का धागा , पैमाना ,तथा कैंची की सहायता से पाई का मान ज्ञात करने की प्रक्रिया से अवगत कराया |इस गतिविधि में प्राप्त पाई के मानो की प्रेक्षण तालिका बनाई गई ,जिसमें पाई के सन्निकटन मान दशमलव के बाद ६ अंकों तक प्राप्त किए गए | इससे छात्रों में पाई के मान के व्यवहारिक ज्ञान का विकास हुआ |इस गतिविधि में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया |

नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप कोलकता २०२२

१९ जुलाई से २३ जुलाई २०२२ तक नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप कोलकता में आयोजित की गई जिसमें मध्यप्रदेश की तरफ से 16 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें जिला सागर तहसील खुरई की तरफ से प्रिया ठाकुर और निखिल रैकवार (ज्ञानोदय स्कूल खुरई की छात्रा छात्र) ने -४८ किलो और -५२ किलो वजन के वर्ग में भाग लिया और प्रिया ठाकुर ने मध्यप्रदेश के लिए कांस्य पदक जीता। इस टूर्नामेंट में मध्यप्रदेश ने कुल १५ पदक जीते | विद्यालय में किक बॉक्सिंग के अच्छे प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्धहै इसलिए विद्यार्थी इसमें बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हैं | प्रशिक्षक पदम जी एवं विजेता विद्यार्थियों को बहुत-बहुत बधाई|

कठपुतली प्रदर्शन

२८ जुलाई को विद्यालय के प्री प्राइमरी विंग में कठपुतली शो का आयोजन किया गया |कठपुतली शो बच्चों के लिए एक बेहतरीन शिक्षक है | कठपुतली बच्चों को कहानी सुनाते समय ,निर्देश देते समय उन्हें सुनने के लिए प्रोत्साहित करती हैं कठपुतली बच्चों को तुकबंदी और गीत सीखने में भी मदद करती है क्योंकि बच्चे कठपुतलियों की बहुत नक़ल करते हैं | कठपुतलियों के साथ मस्ती और मनोरंजन करना सूची में सबसे ऊपर है |कठपुतली शो आयोजित करने का कारण भाषा कौशल में सुधार करना ,आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें प्रोत्साहित करना है |बच्चों ने कठपुतली शो का भरपूर आनंद लिया | इस गतिविधि का आयोजन श्रीमती चित्रा कपलेश नजवाले और सुश्री हुमा नाज़ ने किया |

<u>अखिल भारतीय राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप २०२२</u>

अखिल भारतीय राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप २०२२ ,छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ और कराटे एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया द्वारा बिलासपुर में आयोजित की गई | इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में २७ राज्यों और अलग अलग पैरामिलिट्री फोर्सेस, सी .आर . पी .एफ .आई. टी. बी. पी. और असम राइफल आदि तथा अलग -अलग राज्यों की पुलिस टीमों के साथ २७ राज्यों के लगभग २२०० खिलाड़ियों ने भाग लिया था | भारतीय छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ एवं भारतीय कराटे संघ द्वारा आयोजित अखिल भारतीय राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप २०२२ में ज्ञानोदय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया | एक ओर जहाँ कक्षा ९ से अरिहंत जैन द्वारा व्यक्तिगत काता स्पर्धा में १ रजत पदक प्राप्त किया वहीं दूसरी ओर देवेन्द्र नामदेव कक्षा ९ ने क्वाटर फ़ाइनल में अपनी जगह बनाई | छात्र अरिहंत जैन का चयन अगस्त में होने वाली आगामी अंतर्राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप थाईलैंड में हो गया है |विद्यालय इस उपलब्धि पर गर्व का अनुभव कर रहा है |इस अवसर पर खेल शिक्षक श्रीमान संदीप अग्रवाल एवं विद्यालय परिवार ने बधाई दी एवं आगामी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं| श्रीमान संदीप अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में यह उपलब्धि प्राप्त की गई जो उनके सतत श्रेष्ठ मार्गदर्शन को दर्शाता है |

संपादक – मंडल

मुख्य संरक्षक – प्राचार्य, ज्ञानोदय सर्व मंगल विद्या मंदिर

मुख्य संपादक – डॉ. कीर्तिवर्धन श्रीवास्तव

सहयोग - हिंदी विभाग

तकनीकी सहायता – श्री विशाल कटारे, श्री अनुराग सिन्हा एवं कंप्यूटर विभाग

gyanodayacampuscare.in

www.gyanodayakhurai.org

Gyanodaya khurai

gyanodayaprincipal@gmail.com

9826829441, 07581-292149,292154

gyanodayakhurai/9826829441

youtube.com/UC_7RhrC1nipjZTanSKoEVEA

www.facebook.com/gyanodayakhurai